

**स्तंभ वृत्ति स्त्री.** (तत्.) प्राणों को जहाँ का तहाँ रोक देना, जो प्राणायाम का एक अंग है।

**स्तंभ शीर्ष पुं.** (तत्.) स्तंभ का सबसे ऊपर का भाग, खंभे की चोटी।

**स्तंभि पुं.** (तत्.) समुद्र, सागर।

**स्तंभिका स्त्री.** (तत्.) 1. चौकी या आसन का पाया 2. छोटा खंभा, खंभिया।

**स्तंभित वि.** (तत्.) 1. जो अचल/जड़ हो गया हो या कर दिया गया हो, गतिहीन, जड़ीभूत, निश्चेष्ट, स्तब्ध 2. ठहरा हुआ या रुका हुआ 3. आश्चर्यचकित, भौचक्का, हक्का-बक्का।

**स्तंभिनी स्त्री.** (तत्.) योग के अनुसार पाँच धारणाओं में से एक।

**स्तंभी वि.** (तत्.) स्तंभ या खंभों से युक्त पुं. समुद्र, सागर।

**स्तंभोत्कीर्ण वि.** (तत्.) स्तंभ पर उत्तीर्ण, खंभों में खोदकर बनाई गई आकृति या मूर्ति।

**स्तन पुं.** (तत्.) 1. स्त्रियों का अंग विशेष जिसमें से दूध निकलता है, कुच 2 उक्त के समान मादा पशुओं का अंग, थन।

**स्तन कलश पुं.** (तत्.) 1. कलश के समान गोल स्तन 2. स्तन रूपी कलश 3. गोल और स्थूल स्तन।

**स्तन कील पुं.** (तत्.) स्त्रियों की छाती में होने वाला थनैला नाम का फोड़ा।

**स्तन-चूचुक पुं.** (तत्.) स्तन या कुच के ऊपर की घुंड़ी, स्तन-मुख।

**स्तनप पुं.** (तत्.) स्तनपायी।

**स्तन पतन पुं.** (तत्.) स्तन का ढीला पड़ना या लटकना।

**स्तनपान पुं.** (तत्.) स्तन पान करना, स्तन से दूध पीना।

**स्तनपायक/स्तनपायी वि.** (तत्.) स्तन पान करने वाला, दुधमुँहा।

**स्तनपायी युग पुं.** (तत्.) भूवि. भूविज्ञान के इतिहास के तृतीय महाकाल के आरंभ से वर्तमान काल तक की अवधि जिसमें स्तनधारियों तथा पक्षियों का तेजी से विकास हुआ हो।

**स्तनभर पुं.** (तत्.) 1. स्थूल या पुष्ट स्तन 2. ऐसा पुरुष जिसकी छातियाँ स्त्रियों की छातियों जैसी बड़ी या मोटी हों।

**स्तनभव पुं.** (तत्.) एक प्रकार का रति-बंध या संभोग का आसन।

**स्तन-मध्य पुं.** (तत्.) स्त्री के दोनों स्तनों के बीच का स्थान या गड़ढ़ा।

**स्तन-मुख पुं.** (तत्.) स्तन या कुच का अगला भाग।

**स्तन-रोग पुं.** (तत्.) गर्भवती और प्रसूता स्त्रियों के स्तनों में होने वाला रोग।

**स्तन-विद्रधि पुं.** (तत्.) स्तन पर होने वाला फोड़ा, थनैली।

**स्तन-वृंत पुं.** (तत्.) स्तन या कुच का अगला भाग।

**स्तन-शिखा स्त्री.** (तत्.) स्तन-वृंत।

**स्तन-शोष पुं.** (तत्.) स्त्रियों को होने वाला एक प्रकार का रोग जिससे उनके स्तन सूख जाते हैं।

**स्तनांतर पुं.** (तत्.) 1. हृदय, दिल 2. स्त्रियों के स्तनों पर होने वाला एक प्रकार का चिह्न जो वैधव्य का सूचक माना जाता है।

**स्तनांशुक पुं.** (तत्.) कपड़े की चौड़ी पट्टी जिससे स्त्रियाँ स्तन बाँधती हैं, स्तनोत्तरीय।

**स्तनाग्र पुं.** (तत्.) स्तन का अगला भाग, स्तन मुख।

**स्तनित पुं.** (तत्.) 1. मेघ-गर्जन, बादलों की गरज 2. आवाज, ध्वनि, शब्द 3. ताली बजाने का शब्द, करतल ध्वनि।